

न्यायालय उपखण्ड अधिकारी (एस.डी.ओ.) बालोतरा

पीठासीन अधिकारी : श्री विवेक व्यास, आर.ए.एस

राजस्व आवेदन संख्या 294/2022

प्रार्थीगण :-

1. प्रभूराम उर्फ परबतसिंह पुत्र देरामजी
 2. कानाराम उर्फ कानसिंह पुत्र देरामजी
 3. अर्जुनसिंह पुत्र स्व. सकसिंह उर्फ सकाजी
 4. नरपतसिंह पुत्र स्व. सकसिंह उर्फ सकाजी,
- जातियान रावणा राजपूत निवासीयान असाडा तह.पचपदरा

बनाम

विप्रार्थी :-

1. रावतीया पुत्र खुमाजी जाति मेघवाल निवासी असाडा
तहसील पचपदरा व जिला बाड़मेर
2. राजस्थान सरकार जरिये तहसीलदार पचपदरा

आवेदन पत्र अन्तर्गत धारा 131, 136 राजस्थान भू-राजस्व अधिनियम वास्ते

तरमीम दुरस्ती बाबत

उपस्थित :-

1. श्री प्रेमसिंह सिसोदिया, अधिवक्ता प्रार्थीगण ,
2. श्री जेटूलाल, अधिवक्ता विप्रार्थी संख्या 01

'आदेश

दिनांक :- 02.12.2022

1. संक्षेप मे आवेदन के सुसंगत तथ्य इस प्रकार है कि प्रार्थीगण व विप्रार्थी संख्या 01 के संयुक्त खातेदारी का खेत मौजा असाडा, पटवार हल्का असाडा, भू अभिलेख निरीक्षक क्षेत्र जसोल, तहसील पचपदरा के खेत खसरा संख्या पुराना 330 रकबा 21 बीघा आया हुआ है, चूंकि वर्तमान मे राजस्व अभिलेख मे राजस्व अधिकारियो ने मूल खसरा 330 के राजस्व नक्शे में तरमीम कर बट्टा नंबर लगाकर अलग अलग अंकित कर दिये है ।राजस्व गांव असाडा के खेत खसरा संख्या 330 रकबा 21 बीघा भूमि जो सम्पूर्ण भूमि वर्ष 1993 तक विप्रार्थी सं. 1 रावतीया पुत्र खुमाराम मेगवाल के नाम से दर्ज थी, तत्कालीन समय में विप्रार्थी सं. 1 द्वारा अपनी उक्त



उपखण्ड अधिकारी
(S.D.O.) बालोतरा



खातेदारी भूमि में 4047 वर्ग मीटर (यानि 02.05 बीघा) आबादी में संपरिवर्तन करवा दी गयी थी। उक्त राजस्व ग्राम असाडा के खेत खसरा संख्या 330 रकबा 21 बीघा में से 2.5 बीघा भूमि आबादी में संपरिवर्तन करवायी गयी, उक्त भूमि में से 1 बीघा भूमि प्रार्थीगण सं. 1 व 2 व प्रार्थीगण संख्या 3 व 4 के पिता के पक्ष में जरिये रजिस्टर्ड बेचाननाम तकमील कर बेचान कर दी, जिसमें 01 बीघा भूमि पर रजिस्टर्ड बेचाननामा में बतौर पडोसी दर्ज है, उसी अनुसार प्रार्थीगण 01 बीघा भूमि पर काबिज है तथा रहवासीय मकानात बना रखे है। उक्त भूमि खसरा संख्या 330 का बट्टा नंबर अंकित कर दिया जहां प्रार्थीगण की भूमि आबादी में कनर्वभूमि भूमि हुई थी, उस भूमि को संयुक्त भूमि बताते हुए खसरा संख्या 1633/330 में नाम दर्ज कर दिये गये है तथा प्रार्थीगण के कब्जा भूमि को तरमीम नक्शे में खसरा संख्या 2448/330 अंकित कर दिये गये। जबकि प्रार्थीगण उक्त खसरा संख्या 330 के वर्तमान खसरा संख्या 2448/330 पर काबिज व रहवास बनाये हुए है जो विप्रार्थी संख्या 1 के नाम वर्तमान में दर्ज है। जबकी प्रार्थीगण को राजस्व अधिकारीयो ने गलत तरमीमी कर खसरा संख्या 1633/330 में संयुक्त रूप से प्रार्थीगण का नाम अंकित कर दिया जो गलत दर्ज किया गया है, जबकि प्रार्थीगण को खसरा संख्या 2448/330 में अलग बट्टा लगाकर अंकित करना था जो नहीं किया गया है। अतः प्रार्थीगण ने कब्जासुदा व रहवासीय भूमि को राजस्व रेकर्ड जमाबंदी व नक्शा में खसरा संख्या 2448/330 में ही अलग बट्टा लगाकर तरमीम कर राजस्व रेकर्ड जमाबंदी व नक्शे में खसरा संख्या 2448/330 में अंकित/दुरुस्त करवाने को निवेदन किया गया है।

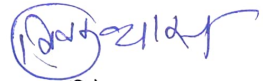
2. प्रार्थी के प्रार्थना पत्र को दर्ज कर विप्रार्थीगण को जरिये रजिस्टर्ड नोटिस तलब किया गया। विप्रार्थी संख्या 1 जरिये अधिवक्ता उपस्थित। विप्रार्थी संख्या 02 राजकीय परोकार अनुपस्थित। विप्रार्थी संख्या 1 इकबाली जबाब प्रस्तुत कर निवेदन किया कि विप्रार्थी संख्या 1 खातेदारी की भूमि को जहां मेरा कब्जा है, वहां नक्शा में अंकित कर दुरुस्त किया जाता है तो किसी प्रकार का उज्र एतराज व आपत्ति नहीं होना प्रकट किया गया। तहसीलदार पंचपदरा से विवादित भूमि की मौका जांच रिपोर्ट भिजवाने हेतु तहरीर जारी की गयी, जिसकी पालना में तहसीलदार पंचपदरा से मौका रिपोर्ट प्राप्त हुई, जिसमें उल्लेख किया कि प्रार्थीगण द्वारा विप्रार्थीगण से 01-00 बीघा संपरिवर्तित भूमि दिनांक 20.03.1993 को कय की गई



[Signature]
 उपखण्ड अधिकारी
 (S.D.O.) बालोतरा

थी। प्रार्थीगण द्वारा जानकारी के अभाव में बेचान का नामान्तरकरण नहीं करवाया जा सका, जिससे प्रार्थीगण के निवास वाले स्थान पर तरमीम नहीं हो पायी। तत्कालीन हल्का पटवारी, द्वारा अलग-अलग समय में सम्परिवर्तन करवायी गई भूमि को एकीकरण कर एक खसरा कर दिया गया, जो कि प्रार्थीगण के कब्जे से अलग था। प्रार्थीगण का नामान्तरकरण भी सम्परिवर्तित भूमि में ही भरा गया। वर्तमान में प्रार्थीगण की खातेदारी भूमि खसरा संख्या 1633/330 में है, जबकि निवास/कब्जा खसरा संख्या 2448/330 में है, जो कि तत्कालीन विक्रेता/प्रतिवादी की ही खातेदारी कृषि भूमि है। प्रस्तावित नंबरों अनुसार तरमीम दुरस्ती करने की अनुशंसा की गई।

3. हमने दोनों पक्षों के अधिवक्ताओं की बहस को सुना और बहस पर मनन किया। पत्रावली व पत्रावली के संलग्न दस्तावेजात एवं मौका रिपोर्ट का अवलोकन समूची स्थिति पर विवेचन करने के उपरान्त तहसीलदार पंचपदरा द्वारा प्रस्तुत मौका रिपोर्ट, विप्राथी द्वारा इकबाली जबाव, लोक भावना मध्यनजर रखते हुए प्रार्थीगण का प्रार्थना पत्र को स्वीकार करना न्यायोचित प्रतीत होता है।
4. उपरोक्त विवेचन के आधार पर प्रार्थीगण का प्रार्थना पत्र स्वीकार योग्य होने से प्रार्थना पत्र स्वीकार किया जाता है तथा उप तहसीलदार जसोल को आदेशित किया जाता है, कि ग्राम मौजा असाडा, पटवार हल्का असाडा, भू अभिलेख निरीक्षक क्षेत्र जसोल, तहसील पंचपदरा के खेत खसरा राजस्व रिकॉर्ड जमाबंदी व नक्शा में खसरा संख्या 2448/330 में ही अलग बट्टा लगाकर प्रस्तावित तरमीम मौका रिपोर्ट के संलग्न नक्शा में वर्णित स्थिति अनुसार तरमीम कर राजस्व रिकॉर्ड जमाबंदी व नक्शे में खसरा संख्या 2448/330 में नया अंकन/दुरुस्ती की कार्यवाही विधिनुसार करे। खर्चा फरिक्तेन अपना-अपना वहन करें।



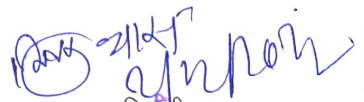
(विवेक व्यास)

उपखण्ड अधिकारी

(एस.डी.ओ.) बालोतरा



5. आदेश आज दिनांक 02.12.2022 को लिखवाया जाकर खुले न्यायालय में सुनाया गया।


उपखण्ड अधिकारी
(एस.डी.ओ.) बालोतरा
(S.D.O.)